एक ही कहानी

The One Story

उद्देश्य (OBJECTIVE)

पूरी बाइबल एक ही महान कहानी कहती है — **परमेश्वर के प्रेम की कहानी**, जिसमें वह अपने लोगों को बचाने और उनके साथ पुनः संबंध स्थापित करने के लिए कार्य करता है।
यह प्रशिक्षण हमें सिखाता है कि कैसे उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक, बाइबल की प्रत्येक पुस्तक एक **संयुक्त रूपरेखा** में फिट होती है जो परमेश्वर की योजना को दर्शाती है।

यह दृष्टिकोण मसीहियों को परमेश्वर के वचन को समझने और दूसरों को सुसमाचार साझा करने में अधिक **स्पष्टता और विश्वास** देता है।

सारांश (OVERVIEW)

- पूरी बाइबल एक ही कहानी है — **उद्धार की कहानी**
- परमेश्वर ने मनुष्य से संबंध बनाए, लेकिन पाप ने उसे तोड़ दिया
- यीशु ही वह रास्ता है जो फिर से वह संबंध जोड़ता है
- चार प्रमुख भाग:
    1. **सृष्टि** – परमेश्वर ने अच्छा और उद्देश्यपूर्ण संसार बनाया
    2. **पतन** – पाप ने मनुष्य को परमेश्वर से दूर कर दिया
    3. **उद्धार** – यीशु के माध्यम से मेल-मिलाप की योजना
    4. **पुनःस्थापन** – परमेश्वर सब कुछ नया कर रहा है
- यह कहानी हमारे जीवन, सेवकाई, और उद्देश्य को नया अर्थ देती है
- हम सब इस कहानी में एक **भूमिका** निभाते हैं — परमेश्वर के साथ चलने और दूसरों को आमंत्रित करने की

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- उत्पत्ति 1-3
- यूहन्ना 1:1-14
- रोमियों 5:12-21
- प्रकाशितवाक्य 21:1-5

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. इस "एक ही कहानी" को जानने से आपकी बाइबल पढ़ने की समझ में क्या बदलाव आया?

2. क्या आप अपने जीवन में परमेश्वर की इस कहानी को प्रतिबिंबित होते देखते हैं?

3. जब आप दूसरों को सुसमाचार साझा करते हैं, तो आप इसे इस कहानी के माध्यम से कैसे समझा सकते हैं?

4. आपके जीवन और सेवकाई में इस कहानी का कौन-सा भाग अभी सबसे अधिक प्रासंगिक है?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- यशायाह 53
- यूहन्ना 3:16-17
- रोमियों 8:18-30